PHD CHAMBER
OF COMMERCE AND INDUSTRY

MEDIA COVERAGE – 12TH INTERNATIONAL HERITAGE TOURISM CONCLAVE

Dainik Bhaskar (22 July 2023)

कॉन्क्लेव• 'विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा' पर विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए

प्राकृतिक विरासत को बचाने में निजी क्षेत्र की भागीदारी पर मंथन

कम्युनिटी रिपोर्टर | जोधपुर

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने शुक्रवार को आईटीसी वेलकम होटल में विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा विषय पर 12वीं अंतरराष्ट्रीय विरासत पर्यटन कॉन्क्लेव आयोजित की गई। पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में कैसे सहयोग कर एक साथ काम कर सकते हैं, इस पर विचार-विमर्श किया गया। कॉन्क्लेव में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 12वें संस्करण के आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म सोसायटी ऑफ इंडिया के संस्थापक और सदस्य मंदीप सिंह ने कहा कि हमारी प्राकृतिक विरासत को बचाने और मदद करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी शामिल होनी चाहिए। पीएचडीसीसीआई राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष दिग्विजय ढाबरिया, पीएचडीसीसीआई की पर्यटन एवं आतिथ्य समिति के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह, पीएचडीसीसीआई के सह अध्यक्ष राजन सहगल ने कहा कि पर्यटन का एक बड़ा हिस्सा प्राकृतिक, स्वदेशी और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों पर निर्भर करता है।

तकनीकी सत्र शुरू : पर्यटन को संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया

कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

तकनीकी सत्र 1 में विश्व धरोहर स्थलों पर सतत पर्यटन प्रबंधन पर चर्चा की, जिसमें विक्टोरिया सैमुअल आर, लाल्टियाना एकोवे, सुहैल, हेमडोमल डॉसन ने अपने विचार व्यक्त किए। तकनीकी सत्र 2 में भारत को विश्व के शीर्ष विरासत पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने पर चर्चा की गई, जिसमें सुनील दुबे, कंवरजीत सिंह साहनी, रक्षा हूजा ने संबोधित किया। तकनीकी सत्र 3 में 'संरक्षण और पुनर्स्थापन की उच्च लागत: निवेशकों को कैसे आकर्षित करें' विषय पर वेलकम हेरिटेज होटल्स के सीईओ अविनाश मंधानी, नीमराणा होटल्स के संस्थापक और अध्यक्ष अमन नाथ, इंटरग्लोब फाउंडेशन की प्रमुख डॉ. मोनिका बनर्जी, स्टर्लिंग हॉलिडे रिसॉर्ट्स लिमिटेड के होटल सेल्स डिविजन के उपाध्यक्ष अभिउदय कटोच, रेडिसन होटल ग्रुप के सेल्स (पश्चिम) के एरिया डायरेक्टर ब्रजेश ठाकुर, कुणाल सिंह ने संबोधित किया।

City Bhaskar (23 July 2023)

City भास्कर
जोधपुर • रविवार 23 जुलाई, 2023 | 17

टूरिज्म • सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा विषय पर हुई अंतरराष्ट्रीय विरासत पर्यटन कॉन्क्लेव

टूरिज्म विरासत बढ़ाने को नए सेक्टर ढूंढने जरूरी हैंडमेड प्रोडक्ट से आय बढ़ेगी, आर्ट प्रमोशन भी होगा

सिटी रिपोर्टर. जोधपुर

पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्र मिलकर ही पूरे क्षेत्र और कॉन्सेप्ट को मजबूत बना सकते हैं। पर्यटन और संस्कृति दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जहां पर्यटन विकसित होता है वहीं संस्कृति के पहलू भी विकसित होने लगते हैं। आईटीसी होटल वेलकम में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा विषय पर 12वें अंतरराष्ट्रीय विरासत पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

11वें संस्करण को आगे बढ़ाते हुए कॉन्क्लेव में विचार रखा गया कि जितने अधिक गांवों और क्षेत्रों के कल्चर व निजी भागीदारी को इसमें शामिल किया जाएगा, उतना ही सांस्कृतिक व पर्यटन क्षेत्रों का विकास होगा और विरासत विदेशों में परचम लहराएगी।

एफआरजीएस के संस्थापक अध्यक्ष और सदस्य मंदीप सिंह ने कहा कि हमारी प्राकृतिक विरासत को बचाने में रेवेन्यू अर्जित के लिए निजी क्षेत्र जुड़ें और ग्राहक को एक जिम्मेदार यात्री बनने के लिए प्रेरित का मौका मिलेगा। पहले सत्र में विश्व धरोहर स्थलों पर सतत पर्यटन प्रबंधन, दूसरे में भारत को विश्व के शीर्ष विरासत पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना और तीसरे में संरक्षण और पुनर्स्थापन की उच्च लागत में निवेशकों को कैसे आकर्षित करें जैसे विषयों पर चर्चा हुई। जिसमें सूरीनाम के राजदूत अरुणकोमर, विक्टोरिया सैमुअल सहित कई एक्सपर्ट शामिल थे।

विश्व की विरासत की रक्षा व सुरक्षा पर नॉलेज रिपोर्ट हुई जारी

पीएचडीसीसीआई और उसके नॉलेज पार्टनर ओआरजी ने संयुक्त रूप से विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा शीर्षक से एक नॉलेज रिपोर्ट जारी की जो देश-दुनिया में विरासत पर्यटन को बचाने में सहयोगी रहेगी।

नए क्षेत्र ढूंढने होंगे चाहे छोटे ही हों

पर्यटन एवं आतिथ्य समिति पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजन सहगल ने प्रस्ताव देते हुए कहा कि पर्यटन का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक, स्वदेशी और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों पर निर्भर करता है जहां पर्यटन उत्पाद आधारित होते हैं। इन्हें पर्यटन उद्योग में शामिल करेंगे तो सांस्कृतिक प्रोडक्ट तकनीकों का विकास होगा और सांस्कृतिक समूहों के प्रति आमजन की संवेदनशीलता व रुचि बढ़ेगी। मशीनी प्रोडक्ट पर लगाम लगेगी। पर्यटन व संस्कृति क्षेत्र सहयोगात्मक रूप से किस तरह काम कर सकते हैं जिससे कल्चर, रेवेन्यू व क्षेत्र का विकास हो, विरासत को पहचान मिले व विदेशों में कायम भी रहे। इसके लिए निजी क्षेत्रों की भागीदारी जितनी ज्यादा होगी उतना ही विरासत और संस्कृति क्षेत्रों का विकास होगा। नये ऐतिहासिक क्षेत्रों को ढूंढकर उन्हें विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाए चाहे वो छोटे क्षेत्र ही क्यों ना हों।

रेवेन्यू बढ़ाना व बचाना भी जरूरी

पीएचडीसीसीआई के राजस्थान चैप्टर के दिग्विजय ढाबरिया ने कहा कि पर्यटन विरासत को विशाल बनाना सीधा रेवेन्यू पर इफेक्ट डालने का काम करता है। अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह ने कहा कि रेवेन्यू जेनरेट करने के साथ हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी इसे बचाने की जिम्मेदारी है। पर्यटन से उस समाज का विकास होता है जो आज भी हाथ से क्राफ्ट कर रहे हैं। पर्यटन से इस समाज के क्राफ्ट को सात समंदर पार जाने का मौका मिलेगा। ये कदम सांस्कृतिक कलाकृतियों के अवैध व्यापार से उत्पन्न बढ़ते जोखिमों से निपटने के लिए भी हमें तैयार रखेगा।